BA-II (Hons)
मैथिली (प्रतिष्ठा)
पेपर - तेसर

संकलन

प्रो० संजीत कुमार राम
अतिथि शिक्षक
मैथिली विभाग
V.S.J. College, Rajnagar

माता ओ मातृभूमिक महत्वक विश्लेषण

माता ओ मातृभूमिक' निबंधक रचनाकार छथि यदुनाथ झा 'यदुवर'। यदुनाथ जी संस्कृतक पंडित छलाह, हिनकामे धर्म, कर्म आ नीतिक विचारक प्रबलता छलनि। यद्यपि मातृभाषा मैथिलीमे बहुत थोड़ रचना उपलब्ध अछि हिनक अपन देश, भक्ति, मातृभाषा प्रेम अनुकरणीय अछि।

संसारमे माता शब्दक महिमासँ प्रायः सभ अवगत छथि। एहि शब्दक माधुर्यमे अद्वितीय शक्ति अछि। जेना दूध वा पानिमे मिसरी मिला देलासँ अनुपम मधुरत्व उत्पन्न होइछ, तहिना माता शब्दक उच्चारण मात्रसँ प्रेम - स्नेहक माधुर्य प्राप्त होइत छैक।

जाहि शब्दक उच्चारण मात्रसँ मनकेँ शान्ति प्राप्त होइत छैक- ओ शब्द थिक माता। माता शब्द पवित्र प्रेमक साक्षात् मूर्ति थिक। संसार भरिमे 'मकार' शब्दक मधुरताक प्रतीक अछि। एकरा बिनु माता ओ मधुरता शब्दक बनब असम्भव अछि। संस्कृतमे माता, मैथिलीमे माय, अंग्रेजीमे मदर आदि शब्दक प्रयोग कयल जाइत छैक। माता शब्दकेँ अपना देशमे कतेक महत्व देल गेल अछि से एहिसँ ज्ञात होइछ यथा- मातृभूमि, मातृभाषा, गौमाता, गंगामाता, यमुना मैया। संसारमे पति-पत्नीक संबंध धार्मिक होइत अछि। माताक गर्भमे सन्तानक जीवन पाबिते, संसारमे आयला पर एकमात्र माइये ओकर लालन-पालन व्यवहार होइत अछि।

मातृभूमि त हमर माताक- माता ओ समस्त देशवासीक माता थिकीह हम सभ मातृभूमिकेँ कोडमे ललित-पालित होइत छी मातृभूमिक प्रति प्रेम, ममता पशुपक्षी धरिमे देखल जाइछ।

मातृभाषा त मातृभूमिक मधु (मिठास) थिक। हमर मातृभूमि भारतक पैघ-पैघ प्रतापवान ओ तेजस्वी पुत्ररत्न उत्पन्न कयने छथि। ई भूमि हमरा पूर्वज सभक लौकिक सेहो माता थिकीह। मातृभूमि पारिपोषण, राम खेलि कूदि कयने छथि आ जगत प्रसिद्ध भेलाह। व्यास, वाल्मीकि याज्ञवल्क्य, जैमिनि, कपिल आदि महान संतान भारतभूमि पर भेलाह। हमरा सभ पर मातृभूमिमे हमर माता-पिता हमरा जन्म देलनि, जकर जल, फल, अन्न आदिसँ अपन जीवन चला रहल छी, ओहि मातृभूमिक सेवामे, हम तन, मन, धन अर्पण करी। कहल गेल छैक -

"जननी जन्मभूमिकेँ, बाढ़ि प्राणहु सँ प्रियवर। केवू। सेवा करबा हेतु कुनक नहि, जीवन, धन अवरेखू। जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी। स जातो येन जातेन याति वंशः समुन्नतिम्।"

18/04/20